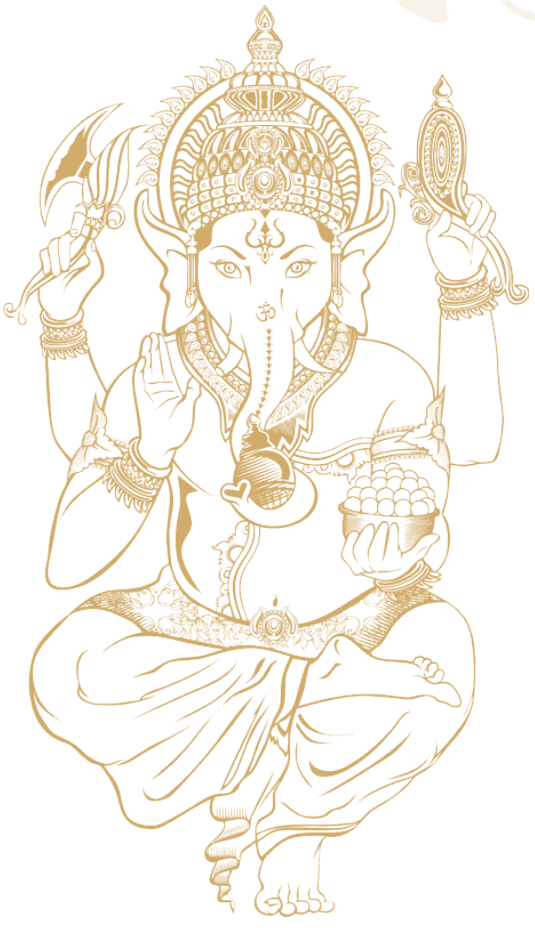

Yash ji Lath

Roshni

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121755601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121755601 Date: 30/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/09/1995	जन्म तिथि	10/01/1994
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:48:00	जन्म समय	08:15:00 घंटे
घटी 14:34:48	जन्म समय(घटी)	04:11:53 घटी
India	देश	India
Chennai	स्थान	Hyderabad
13:05:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
80:18:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:48	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:04	सूर्योदय	06:49:05
18:04:29	सूर्यास्त	17:58:26
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:41

वृश्चिक	लग्न	मकर
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शनि
सिंह	राशि	धनु
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	मूल
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	1
शुभ	योग	ध्रुव
शकुनि	करण	विष्टि
टा-टाटा	जन्म नामाक्षर	ये-येनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मृग

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 8मा 3दि		27:40:49	वृश्चि	लग्न	मक	17:12:10	केतु 5वर्ष 8मा 12दि	
मंगल		05:57:33	कन्या	सूर्य	धनु	25:50:58	चन्द्र	
27/05/2024		18:12:55	सिंह	चंद्र	धनु	02:28:36	22/09/2025	
28/05/2031		16:54:52	तुला	मंगल	धनु	22:15:51	23/09/2035	
मंगल	23/10/2024	26:20:34	कन्या व	बुध	धनु	29:42:34	चन्द्र	24/07/2026
राहु	11/11/2025	15:31:33	वृश्चि	गुरु	तुला	17:18:08	मंगल	22/02/2027
गुरु	18/10/2026	14:58:15	कन्या	शुक्र	धनु	24:11:02	राहु	23/08/2028
शनि	27/11/2027	26:52:40	कुंभ व	शनि	कुंभ	04:08:00	गुरु	23/12/2029
बुध	23/11/2028	02:52:17	तुला व	राहु व	वृश्चि	08:26:10	शनि	24/07/2031
केतु	21/04/2029	02:52:17	मेष व	केतु व	वृष	08:26:10	बुध	22/12/2032
शुक्र	21/06/2030	02:47:58	मक व	हर्ष	धनु	28:20:19	केतु	23/07/2033
सूर्य	27/10/2030	29:00:48	धनु व	नेप	धनु	27:01:36	शुक्र	24/03/2035
चन्द्र	28/05/2031	04:35:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:34:00	सूर्य	23/09/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:41

लग्न-चलित

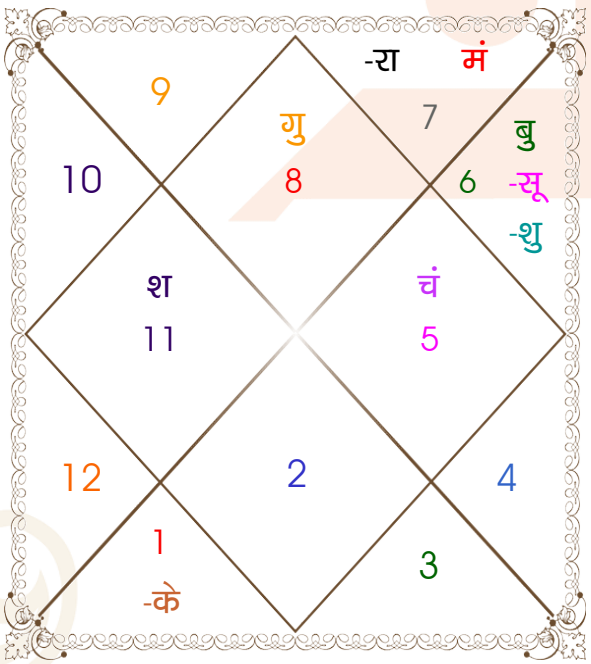

लग्न-चलित

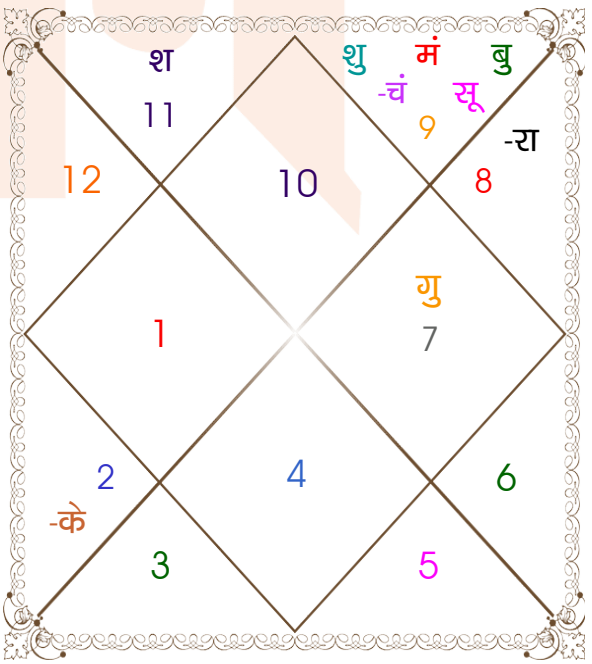

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

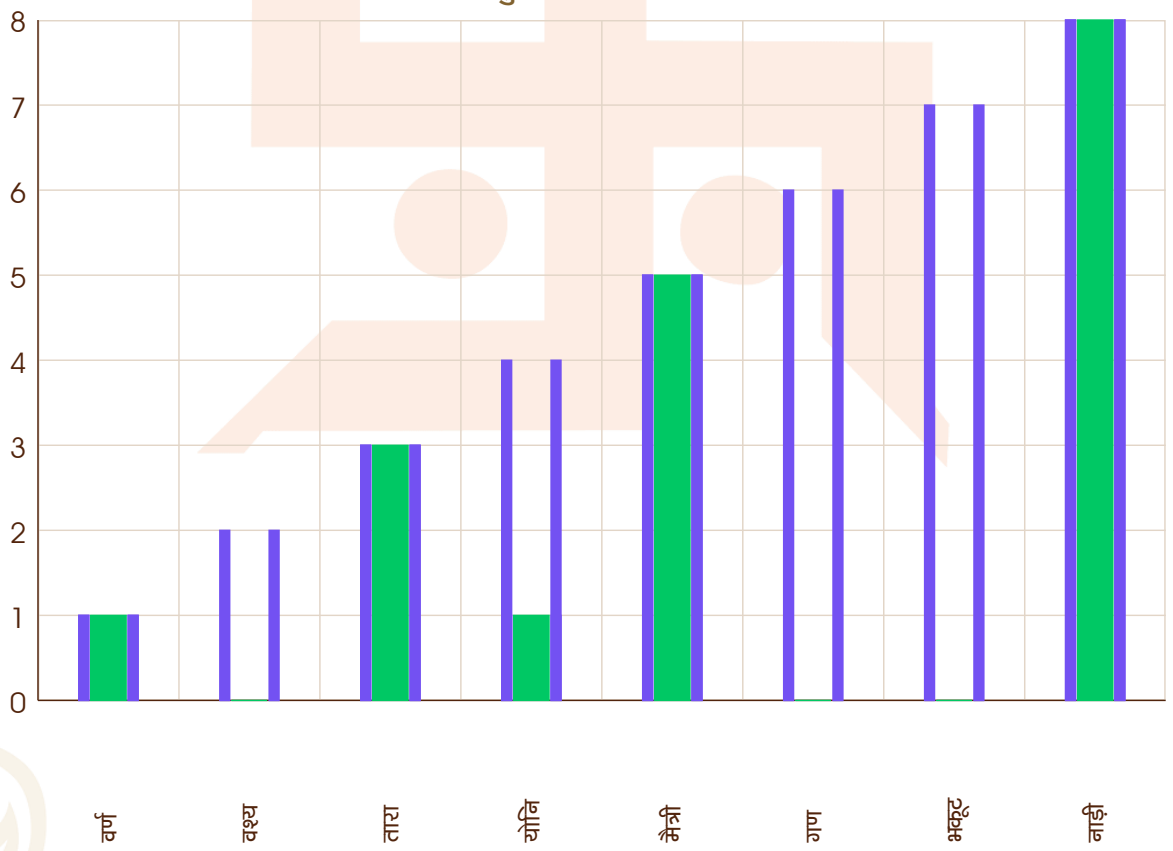

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Yash ji Lath का वर्ग श्वान है तथा Roshni का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash ji Lath और Roshni का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash ji Lath मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Yash ji Lath कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Yash ji Lath कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Roshni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Roshni कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग

हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Roshni कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Roshni कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Yash ji Lath कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yash ji Lath तथा Roshni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Yash ji Lath का वर्ण क्षत्रिय तथा Roshni का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Yash ji Lath का वश्य वनचर है एवं Roshni का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। Yash ji Lath और Roshni के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

Yash ji Lath की तारा सम्पत तथा Roshni की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Yash ji Lath एवं Roshni दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Roshni एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Yash ji Lath की योनि मूषक है तथा Roshni की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Yash ji Lath एवं Roshni दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Yash ji Lath एवं Roshni के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Yash ji Lath एवं Roshni जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Yash ji Lath का गण मनुष्य तथा Roshni का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Roshni का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Yash ji Lath एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Yash ji Lath से Roshni की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Roshni से Yash ji Lath की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Roshni को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Yash ji Lath की नाड़ी मध्य है तथा Roshni की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Yash ji Lath की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Roshni की राशि भी अग्नि तत्व युक्त धनु है। नैसर्गिक रूप से दोनों के तत्वों में समानता के कारण Yash ji Lath और Roshni के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा ।

Yash ji Lath की राशि का स्वामी सूर्य तथा Roshni की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र हैं। इसके प्रभाव से Yash ji Lath और Roshni के मध्य परस्पर संबधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग समर्पण एवं सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Yash ji Lath और Roshni एक दूसरे के गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Yash ji Lath और Roshni की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इस दोष के प्रभाव से यदा कदा Yash ji Lath और Roshni के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही अंहकार के भाव की भी प्रधानता रहेगी जिससे आपसी संबधों की में मधुरता में न्यूनता आएगी अतः यदि Yash ji Lath और Roshni अंहकार की भावना का त्याग करें तथा सामंजस्य पूर्ण स्थिति बनाएं तो इनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Yash ji Lath का वश्य वनचर एवं Roshni का वश्य मानव है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं मानव में विषमता होती है। अतः इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी भिन्न होंगी, अतः काम संबधों में एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Yash ji Lath एवं Roshni दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

Yash ji Lath की तारा सम्पत तथा Roshni की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Yash ji Lath सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Roshni के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Yash ji Lath और Roshni को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से

Roshni का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Yash ji Lath की नाड़ी मध्य तथा Roshni की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही Yash ji Lath भी हृदय संबधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Roshni भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Yash ji Lath और Roshni को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Yash ji Lath और Roshni का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही इनके कन्या एवं पुत्र संततियों की संख्या समान होगी तथा जन्म समय का अंतर भी अनुकूल रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण एवं अन्य कार्य करने में वे समर्थ होंगे।

लेकिन Roshni को गर्भपात संबधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है अतः इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। साथ ही समय समय पर नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण भी करवाने चाहिए। यदि इन बातों का Roshni पूर्ण रूप से ध्यान रखें तो उपरोक्त समस्या में न्यूनता आ सकती है। लेकिन गर्भपात के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार की प्रसूति चिकित्सा आदि का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देने में Roshni समर्थ रहेंगी।

Yash ji Lath और Roshni अपनी संतति से पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी बुद्धिमता योग्यता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। यद्यपि बच्चे माता पिता के प्रति पूर्ण आदर तथा आज्ञा पालन का भाव रखेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे परन्तु पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Yash ji Lath और Roshni का पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Roshni के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Roshni अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य

में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Roshni पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Roshni अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Yash ji Lath तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Yash ji Lath तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Yash ji Lath के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Yash ji Lath को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Yash ji Lath समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Yash ji Lath के प्रति अनुकूल ही रहेगा।